C.B.S.E

कक्षा : 9

हिंदी (ब)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।

2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खंड - क

प्र.1. (अ) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2×4) (1×1) = 9

मानसिक स्वास्थ्य के लिए ज्ञान की प्राप्ति आवश्यक है। पठन के द्वारा भी ज्ञान प्राप्ति होती है। पुस्तकालय ज्ञान का ख़जाना हैं। पुस्तकालय का निर्माण दो शब्दों के योग से होता है; पुस्तक+आलय अर्थात् पुस्तकों का घर। यहाँ अनेकों विषयों पर पुस्तकें मिलती हैं, जिनके द्वारा हम अपनी ज्ञान पिपासा शांत कर सकते हैं। प्रत्येक पुस्तक ज्ञान का जलता दीपक है। हमें पुस्तकालयों के नियमों का पालन करते हुए पुस्तकें लेकर उनसे ज्ञान प्राप्त करना चाहिए। पुस्तकालयों में पढ़ने की भी व्यवस्था होती है। यहाँ के शांत वातावरण में पुस्तकों का अध्ययन करना बड़ा ही अच्छा लगता है। एक स्थान पर विभिन्न तरह की पुस्तक सरलता से मिल जाती है। पुस्तकालयों में धार्मिक, राजनैतिक, सामाजिक, साहित्य, चिकित्सा संबंधी सभी पुस्तकों को संग्रहित किया जाता है। पुस्तकालय के दो भाग होते हैं ; वाचनालय तथा पुस्तकालय। वाचनालय में अखबार, साप्ताहिक, पाक्षिक तथा मासिक पत्र-पत्रिकाओं का पठन होता है।

1. पुस्तकालय का क्या अर्थ है?
2. पुस्तकालय में कौन-कौन-सी पुस्तकें संग्रहित होती है?
3. मानसिक स्वास्थ्य के लिए क्या प्राप्त करना आवश्यक है?
4. पुस्तकालय के कितने और कौन-कौन से भाग होते है?
5. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक दीजिए।

प्र.1. (ब) निम्नलिखित पद्यांश को ध्यान से पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2 x 3 = 6

निज राष्ट्र के शरीर के सिंगार के लिए
तुम कल्पना करो, नवीन कल्पना करो,
तुम कल्पना करो।
अब देश है स्वतंत्र, मेदिनी स्वतंत्र है
मधुमास है स्वतंत्र, चाँदनी स्वतंत्र है
हर दीप है स्वतंत्र, रोशनी स्वतंत्र है
अब शक्ति की ज्वलंत दामिनी स्वतंत्र है
लेकर अनन्त शक्तियाँ सद्य समृद्धि की-
तुम कामना करो, किशोर कामना करो,
तुम कल्पना करो।

1. 'निज राष्ट्र के सिंगार के लिए' पंक्ति द्वारा कवि क्या कहना चाहता है?
2. कवि कौन-सी नवीन कल्पना करने के लिए कह रहा है?
3. प्रस्तुत पद्यांश में किस - किस की स्वतंत्रता की बात की है और क्यों?

खंड - 'ख'

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए : 2

अँगार, आह्लाद

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए : 3

कुवारा, खूटा

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए :

फरियाद, मेजर

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए :

दश, कपन

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए : 3

राष्ट्रीय, द्रवित

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए :

कुमार, निडर

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए :

लघुता, भूखा

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें : 3

1. तुम क्या पढ़ रहे हो
2. राम लक्ष्मण और सीता वन को गए
3. ज्यों ज्यों चुनाव समीप आता गया उसका दिल बैठता गया

प्र. 6. निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद कीजिए : 4

चरमोत्कर्ष, रेखांकित, नीरोग, मरणासन्न

खंड 'ग'

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों उत्तर लिखिए : (2+2+1) = 5

1. महादेव भाई अपना परिचय किस रूप में देते थे?
2. पोशाक हमारे लिए कब बंधन और अड़चन बन जाती है?
3. नज़दीक से एवरेस्ट को देखकर लेखिका को कैसा लगा?

प्र. 7. (ब) रामन् की खोज रामन् प्रभाव क्या है? स्पष्ट कीजिए। 5

प्र. 8. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (2+2+1)=5

1. सुखिया के पिता पर कौन-सा आरोप लगाकर दण्डित किया गया?
2. 'खुशबू रचनेवाले हाथ' कैसी परिस्थितियों में तथा कहाँ-कहाँ रहते हैं?
3. दूसरे पद में कवि ने 'गरीब निवाजु' किसे कहा है?

प्र. 8. (ब) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दीजिए : 5

1. 'अग्नि पथ' कविता का मूलभाव क्या है? स्पष्ट कीजिए।

प्र. 9. 'साँप ने फुफकार मारी या नहीं, ढेला उसे लगा या नहीं, यह बात अब तक स्मरण नहीं' - यह कथन लेखक की किस मनोदशा को स्पष्ट करता है?

खंड - 'घ'

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए। 5

- एक समाजसेवक की आत्मकथा
- यदि हिमालय न होता
- विज्ञापनों का महत्त्व

प्र. 11. आपके नगर में एक 'विज्ञान-कार्यशाला' का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला के संयोजक को पत्र लिखकर बताइए कि आप भी इसमें सम्मिलित होना चाहते हैं। 5

प्र. 12. दिए गए चित्र का वर्णन करें : 5

प्र. 13. दो मित्र के मध्य टिकट एल्बम को लेकर हो रहे संवाद को लिखिए। 5

प्र. 14. सोन पापड़ी का विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए : 5

C.B.S.E

कक्षा : 9

हिंदी (ब)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।

2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खंड - क

प्र.1. (अ) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2×4) (1×1) = 9

मानसिक स्वास्थ्य के लिए ज्ञान की प्राप्ति आवश्यक है। पठन के द्वारा भी ज्ञान प्राप्ति होती है। पुस्तकालय ज्ञान का ख़जाना हैं। पुस्तकालय का निर्माण दो शब्दों के योग से होता है; पुस्तक+आलय अर्थात् पुस्तकों का घर। यहाँ अनेकों विषयों पर पुस्तकें मिलती हैं, जिनके द्वारा हम अपनी ज्ञान पिपासा शांत कर सकते हैं। प्रत्येक पुस्तक ज्ञान का जलता दीपक है। हमें पुस्तकालयों के नियमों का पालन करते हुए पुस्तकें लेकर उनसे ज्ञान प्राप्त करना चाहिए। पुस्तकालयों में पढ़ने की भी व्यवस्था होती है। यहाँ के शांत वातावरण में पुस्तकों का अध्ययन करना बड़ा ही अच्छा लगता है। एक स्थान पर विभिन्न तरह की पुस्तक सरलता से मिल जाती है। पुस्तकालयों में धार्मिक, राजनैतिक, सामाजिक, साहित्य, चिकित्सा संबंधी सभी पुस्तकों को संग्रहित किया जाता है। पुस्तकालय के दो भाग होते हैं ; वाचनालय तथा पुस्तकालय। वाचनालय में अखबार, साप्ताहिक, पाक्षिक तथा मासिक पत्र-पत्रिकाओं का पठन होता है।

1. पुस्तकालय का क्या अर्थ है?

उत्तर : पुस्तकालय का निर्माण दो शब्दों के योग से होता है;
पुस्तक़ + आलय अर्थात् पुस्तकों का घर।

2. पुस्तकालय में कौन-कौन-सी पुस्तकें संग्रहित होती है?

उत्तर : पुस्तकालयों में धार्मिक, राजनैतिक, सामाजिक, साहित्य,
चिकित्सा संबंधी सभी पुस्तकों को संग्रहित किया जाता है।

3. मानसिक स्वास्थ्य के लिए क्या प्राप्त करना आवश्यक है?

उत्तर : मानसिक स्वास्थ्य के लिए ज्ञान की प्राप्ति आवश्यक है।

4. पुस्तकालय के कितने और कौन-कौन से भाग होते है?

उत्तर : पुस्तकालय के दो भाग होते हैं; वाचनालय तथा पुस्तकालय।

5. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक दीजिए।

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए 'पुस्तकालय' उचित शीर्षक है।

प्र.1. (ब) निम्नलिखित पद्यांश को ध्यान से पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2 x 3 = 6

निज राष्ट्र के शरीर के सिंगार के लिए
तुम कल्पना करो, नवीन कल्पना करो,
तुम कल्पना करो।
अब देश है स्वतंत्र, मेदिनी स्वतंत्र है
मधुमास है स्वतंत्र, चाँदनी स्वतंत्र है
हर दीप है स्वतंत्र, रोशनी स्वतंत्र है
अब शक्ति की ज्वलंत दामिनी स्वतंत्र है
लेकर अनन्त शक्तियाँ सद्य समृद्धि की-
तुम कामना करो, किशोर कामना करो,
तुम कल्पना करो।

1. 'निज राष्ट्र के सिंगार के लिए' पंक्ति द्वारा कवि क्या कहना चाहता है?

   उत्तर : इस पंक्ति द्वारा कवि यह बताना चाहते है कि जिस प्रकार हम अपने शरीर को स्वस्थ और सुंदर दिखाने के लिए श्रृंगार करते है ठीक उसी प्रकार अपने राष्ट्र के श्रृंगार के लिए भी हमें प्रयत्नशील रहना चाहिए। कवि के कहने का तात्पर्य यह है कि हमें हर समय राष्ट्र की आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक व् प्राकृतिक उत्थान और विकास के लिए प्रयत्नशील रहना चाहिए।

2. कवि कौन-सी नवीन कल्पना करने के लिए कह रहा है?

   उत्तर : कवि अपने राष्ट्र के लिए नवीन कल्पना करने के लिए कह रहा है। कवि चाहता है कि किस प्रकार अपने देश को खुशहाल, सुन्दर, उन्नत और समृद्ध बनाया जाए। आज जब देश आजाद हो चुका है तो किस प्रकार से सारी शक्तियों का सार्थक उपयोग किया जाए और इसलिए कवि देशवासियों से नवीन कल्पना करने के लिए कह रह है।

3. प्रस्तुत पद्यांश में किस - किस की स्वतंत्रता की बात की है और क्यों?

   उत्तर : कवि ने यहाँ पर आज़ादी के बाद की स्वतंत्रता की बात की है। कवि के अनुसार देश के स्वतंत्र होते ही हमें अनेक क्षेत्रों में आज़ादी मिल जाती है। देश की स्वतंत्रता के साथ ही आज वसंत ऋतु, चाँदनी, दीपक, रोशनी और शक्ति की ज्वलंत दामिनी भी स्वतंत्र है। अत: कवि चाहते हैं कि इन सभी शक्तियों का उचित प्रयोग कर देश को और अधिक समृद्ध बनाया जाए।

खंड - 'ख'

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए : 2

अँगार, आह्लाद

उत्तर : अँ + ग् + आ + र + अ

आ + ह् + ल् + आ + द् + अ

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए : 3

कुवारा, खूटा

उत्तर : कुँवारा, खूँटा

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए :

फरियाद, मेजर

उत्तर : फ़रियाद, मेज़र

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए :

दश, कपन

उत्तर : दंश, कंपन

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए : 3

राष्ट्रीय, द्रवित

उत्तर : ईय, इत

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए :

कुमार, निडर

उत्तर : कु, नि

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए :

लघुता, भूखा

उत्तर : लघु + ता, भूख + आ

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें : 3

1. तुम क्या पढ़ रहे हो
   उत्तर : तुम क्या पढ़ रहे हो?

2. राम लक्ष्मण और सीता वन को गए
   उत्तर : राम, लक्ष्मण और सीता वन को गए।

3. ज्यों ज्यों चुनाव समीप आता गया उसका दिल बैठता गया
   उत्तर : ज्यों - ज्यों चुनाव समीप आता, उसका दिल बैठता जाता।

प्र. 6. निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद कीजिए : 4

चरमोत्कर्ष, रेखांकित, नीरोग, मरणासन्न

उत्तर : चरम + उत्कर्ष, रेखा + अंकित, नि : + रोग,
मरण + आसन्न

खंड 'ग'

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों उत्तर लिखिए : (2+2+1) = 5

1. महादेव भाई अपना परिचय किस रूप में देते थे?
   उत्तर : महादेव भाई अपना परिचय गाँधी जी के 'हम्माल' और 'पीर-बावर्ची-भिश्ती-खर' के रूप में देते थे जिसका अर्थ है-सभी प्रकार के काम सफलता पूर्वक करने वाला।

2. पोशाक हमारे लिए कब बंधन और अड़चन बन जाती है?
   उत्तर : जब हमारे सामने कभी ऐसी परिस्थिति आती है कि हमें किसी दुखी व्यक्ति के साथ सहानुभूति प्रकट करनी होती है,परन्तु उसे छोटा समझकर उससे बात करने में संकोच करते हैं। उसके साथ सहानुभूति तक प्रकट नहीं कर पाते हैं। हमारी पोशाक उसके समीप जाने में तब बंधन और अड़चन बन जाती है

3. नज़दीक से एवरेस्ट को देखकर लेखिका को कैसा लगा?

उत्तर : नजदीक से एवरेस्ट को देखकर लेखिका को इतना अच्छा लगा कि वह भौंचक्की रही गई। वह एवरेस्ट ल्होत्से और नुत्से की ऊँचाइयों से घिरी बर्फ़ीली ढेढ़ी-मेढ़ी नदी को निहारती रही।

प्र. 7. (ब) रामन् की खोज रामन् प्रभाव क्या है? स्पष्ट कीजिए। 5

उत्तर : रामन् की खोज को रामन् प्रभाव के नाम से जाना जाता है। रामन् के मस्तिष्क में समुद्र के नीले रंग को लेकर जो सवाल 1921 की समुद्र यात्रा के समय आया, वह ही रामन् प्रभाव खोज बन गया। अर्थात् रामन् द्वारा खोजा गया सिद्धांत, इसमें जब एक वर्णीय प्रकाश की किरण किसी तरल या ठोस रवेदार पदार्थ से गुजरती है तो उसके वर्ण में परिवर्तन आ जाता है। एक वर्णीय प्रकाश की किरण के फोटॉन जब तरल ठोस रवे से टकराते हैं तो उर्जा का कुछ अंश खो देते हैं या पा लेते हैं। दोनों ही स्थितियाँ प्रकाश के वर्ण में (रंग में) बदलाव लाती हैं।

प्र. 8. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (2+2+1)=5

1. सुखिया के पिता पर कौन-सा आरोप लगाकर दण्डित किया गया?

उत्तर : सुखिया के पिता पर मंदिर की चिरकालिक शुचिता को कलुषित करने तथा देवी का अपमान करने का आरोप लगाया गया और इस आरोप के अंतर्गत सुखिया के पिता को न्यायालय ले जाया गया और वहाँ न्यायधीश द्वारा सात दिनों के कारावास की सजा सुनाई गई।

2. 'खुशबू रचनेवाले हाथ' कैसी परिस्थितियों में तथा कहाँ-कहाँ रहते हैं?

उत्तर : खुशबू रचते हाथ अपना जीवनयापन बड़ी ही निम्न परिस्तिथियों में करते हैं। खुशबू रचनेवाले हाथ बदबूदार, तंग और नालों के पास रहते हैं। इनका घर कूड़े-कर्कट और बदबू से भरे गंदे नालों के पास होता है यहाँ इतनी बदबू होती है

कि सिर फट जाता है। ऐसी विषम परिस्तिथियों में खुशबू रचनेवाले हाथ रहते हैं।

3. दूसरे पद में कवि ने 'गरीब निवाजु' किसे कहा है?
उत्तर : दूसरे पद में 'गरीब निवाजु' ईश्वर को कहा गया है।

प्र. 8. (ब) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दीजिए : 5

1. 'अग्नि पथ' कविता का मूलभाव क्या है? स्पष्ट कीजिए।
उत्तर : 'अग्नि पथ' कविता कवि 'हरिवंशराय' द्वारा रचित एक प्रेरणादायक कविता है। इस कविता के द्वारा कवि मनुष्य को संघर्षमय जीवन में हिम्मत न हारने की प्रेरणा दे रहा है। कवि जीवन को अग्नि से भरा हुआ मानता है। इस जीवन में संघर्ष ही संघर्ष है परंतु मनुष्य को चाहिए कि वह इससे न घबराए, न ही अपना मुँह मोड़े और बिना किसी सहारे की अपेक्षाकर मार्ग में आगे बढ़ते रहे। क्योंकि अंत में ऐसे ही संघर्षशील पुरुषों का जीवन सफल होता है।

प्र. 9. 'साँप ने फुफकार मारी या नहीं, ढेला उसे लगा या नहीं, यह बात अब तक स्मरण नहीं' - यह कथन लेखक की किस मनोदशा को स्पष्ट करता है?
उत्तर : यह घटना १९०८ में घटी थी और लेखक ने इसे अपनी माँ को १९१५ में सात साल बाद बताया था। उन्होंने इसे लिखा तो और भी बाद में होगा। अतः उन्हें पूरी घटना का स्मरण नहीं। लेखक ने जब ढेला उठाकर कुएँ में साँप पर फेंका तब टोपी में रखी चिड़ियाँ कुएँ में गिर गई। यह देखकर दोनों भाई घबरा गए और रोने लगे। लेखक को भाई की पिटाई का डर था। तब उन्हें माँ की गोद याद आ रही थी। अब वह और भी भयभीत हो गए थे। इस वजह से उन्हें यह बात अब याद नहीं कि 'साँप ने फुफकार मारी या नहीं, ढेला उसे लगा या नहीं'।

खंड - 'घ'

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए। 5

एक समाजसेवक की आत्मकथा

मैंने अपनी पच्चीस वर्ष की आयु से ही समाजसेवा की शुरुवात कर दी थी। मेरे पिताजी एक प्रसिद्ध समाजसेवक थे, उन्होंने गाँव में लड़कियों के लिए कन्याशाला खुलवाई थी। मैंने भी उनसे प्रेरणा पाकर शोषित महिलाओं की मदद करने के लिए एक संस्था खोली। महिलाएँ यहाँ अपनी समस्याए लेकर आती थी। हमारी संस्था की महिलाए उनकी हिम्मत बढ़ाती, रोजगार दिलाती, उन्हें आत्म निर्भर बनाती ताकि वे एक अच्छा जीवन जी सके। इसके बाद मैंने गरीब लोगों के लिए चिकित्सालय बनवाए, गरीब मजदूरों के लिए रात में प्रौढ़ शिक्षा वर्ग की व्यवस्था की। फिर मैंने कुछ लोगों की सहायता से एक संस्था बनाई जिसके द्वारा कई समाजसेवा के कार्य किए जैसे - अनाथाश्रम बनाना, दहेज़ प्रथा के विरोध में अभियान चलाना, धार्मिक कार्यक्रम, किसानों के लिए भूदान अभियान, नशाबन्दी अभियान। अब बढ़ती उम्र के साथ यह संभव नहीं की कुछ और सेवा कर पाऊँ किंतु सब को यही संदेश देना चाहूँगा कि जीवन में गरीब और लाचार लोगों की हमेशा मदद करना। इस प्रकार मैंने जीवन भर लोगों की सेवा की। लेकिन दुख इस बात का है कि आज लोग मुझे भूल गए हैं।

यदि हिमालय न होता

हिमालय संस्कृत के 'हिम' तथा 'आलय' शब्दों से मिलकर बना है, जिसका शब्दार्थ 'बर्फ़ का घर' होता है। हिमालय भारत की धरोहर है। यह भारतवर्ष का सबसे ऊँचा पर्वत है। हिमालय हमारा सिर्फ पालक या प्रहरी ही नहीं है। न ही शांति, सुंदरता और रोमांच ही इसके मायने हैं। इन सबसे कहीं आगे हमारे अस्तित्व की सबसे बड़ी जरूरत है हिमालय।

यदि हिमालय न होता तो उत्तर भारत की सुरक्षा कौन निभाता? यदि हिमालय न होता तो गंगा, यमुना, सिन्धु और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियाँ कहाँ से निकलती? हिमालय की छाया में एवरेस्ट, लान्स, नंदादेवी आदि इसके मुख्य हिम शिखर हैं। हिमालय भारत का पहरेदार है। यदि हिमालय न

होता तो शत्रुओं से हमारी रक्षा कौन करता? हिमालय उत्तर के बर्फीले पवनों को भारत में प्रवेश करने से रोकता है। दक्षिणी-पश्चिमी मानसूनी पवन हिमालय की ऊँची पर्वत-श्रेणियों से टकराकर भारत में वर्षा करते हैं। यही वर्षा देश को कृषिप्रधान देश बनाती है। इस वजह से भारत को 'सोने की चिड़िया कहलाने का गौरव प्राप्त हुआ है।
पुराणों के अनुसार हिमालय मैना का पति और पार्वती का पिता है। गंगा इसकी सबसे बड़ी पुत्री है। भगवान शंकर का निवास कैलाश यहीं है। महाभारत के अनुसार पांडव स्वर्गारोहण के लिए यहीं आए थे।
इस तरह हिमालय सदा से भारतीय संस्कृति, इतिहास और गौरव का साक्षी रहा है।

विज्ञापनों का महत्त्व

आज के युग में विज्ञापनों का महत्व स्वयंसिद्ध है। आज विज्ञापन हमारी ज़िंदगी का एक अहम हिस्सा बन चुका हैए सुबह आँख खुलते ही अख़बार में सबसे पहले नज़र विज्ञापन पर ही जाती है। जूते से लेकर रूमाल तक हर चीज विज्ञापित हो रही है। विज्ञापन अपने छोटे से संरचना में बहुत कुछ समाए होते है। वह बहुत कम बोलकर भी बहुत कुछ कह जाते है। विज्ञापन एक कला है। विज्ञापन का मूल तत्व यह माना जाता है कि जिस वस्तु का विज्ञापन किया जा रहा है उसे लोग पहचान जाएँ और उसको अपना लें। निर्माता कंपनियों के लिए यह लाभकारी है। विज्ञापन अनेक प्रकार के होते हैं। सामाजिक व्यावसायिक आदि।
विज्ञापन के लाभ की बात करें तो हम यह कह सकते हैं कि आज विज्ञापन ने हमारे जीवनस्तर को ही बदल डाला है। आज विज्ञापन के लिए विज्ञापनगृह एवं विज्ञापन संस्थाएँ स्थापित हो गई हैं। इस प्रकार इसका क्षेत्र विस्तृत होता चला गया। कोई भी विज्ञापन टीवी पर प्रसारित होते ही वह हमारे जेहन में छा जाता है और हम उस उत्पाद के प्रति खरीदने को लालयित हो जाते है।
बाज़ार में आई नई वस्तु की जानकारी देता है। परंतु इस विज्ञापन पर होनेवाले खर्च का बोझ अप्रत्यक्ष रुप से खरीददार पर ही पड़ता है। विज्ञापन

के द्वारा उत्पाद का इतना प्रचार किया जाता है कि लोगों द्वारा बिना सोचे-समझे उत्पादों का अंधाधुंध प्रयोग किया जा रहा है। इन विज्ञापनों में सत्यता लाने के लिए बड़े-बड़े खिलाड़ियों और फ़िल्मी कलाकारों को लिया जाता है। हम इन कलाकारों की बातों को सच मानकर अपना पैसा पानी की तरह बहातें हैं। विज्ञापन हमारी सहायता अवश्य कर सकते हैं परन्तु कौन-सा उत्पाद हमारे काम का है या नहीं ये हमें तय करना चाहिए। विज्ञापन से अनेक लोगों को रोजगार भी मिलता है। यह रोजगार एक विज्ञापन की शूटिंग में स्पॉट ब्वायज से लेकर बाजार में सेल्समेन तक उपलब्ध हो जाता है। अगर कोई कंपनी बाहरी देशों के लिए विज्ञापन बनाती है तो उसे विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है जिससे देश की विदेशी मुद्रा कोष में इजाफा होता है और देश की आर्थिक स्थिति बेहतर बनती है। विज्ञापन के लाभ व हानि दोनों है। यह हम पर निर्भर करता है कि हम उसका लाभ किस तरह ले और हानि से कैसे बचे।

प्र. 11. आपके नगर में एक 'विज्ञान-कार्यशाला' का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला के संयोजक को पत्र लिखकर बताइए कि आप भी इसमें सम्मिलित होना चाहते हैं। 5

सेवा में,
संयोजक महोदय,
विज्ञान-कार्यशाला,
दिल्ली।

विषय - विज्ञान-कार्यशाला में सम्मिलित होने के लिए पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मुझे आज ही पता चला है कि हमारे शहर के अमर मैदान में एक विज्ञान-कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह हर विज्ञान प्रेमी विदयार्थी का आकर्षण का केंद्र हैं।

मैं महेश शर्मा कक्षा दसवीं का विदयार्थी हूँ। मैं इस विज्ञान कार्यशाला में सम्मिलित होना चाहता हूँ। मैंने मेरे मित्र के साथ मिलकर एक टेलीस्कोप दूरबीन बनाया है। आपकी विज्ञान शाला में आकर दूरबीन में उसमें

आवश्यकता सुधार कर उसे विज्ञान-कार्यशाला में सम्मिलित करना चाहता हूँ।

आशा है आप मुझे इसकी अनुमति देंगे। मैं आपका सदैव आभारी रहूँगा।

धन्यवाद सहित।

भवदीय,

अमर पांडे।

दिनांक -x-x-20xx

प्र. 12. दिए गए चित्र का वर्णन करें : 5

उपर्युक्त चित्र विद्यालय से संबंधित चित्र है जिसमें बच्चे पाठशाला जाते दिखाई दे रहे हैं। एक पिता ने अपने बच्चे को कंधें पर बैठा रखा है तो दूसरी ओर एक बच्ची अपनी माँ की गोद में जोर-जोर से रो रही है। उसे देखकर ऐसा लगता है मानों वह पाठशाला नहीं जाना चाहती। चित्र में कई अन्य बच्चे भी है जो आपस में बात करते हुए बड़े खुश नज़र आ रहे हैं। कई पाठशाला की ओर अपने दोस्तों के साथ या अकेले ही बढ़ रहे हैं।

प्र. 13. दो मित्र के मध्य टिकट एल्बम को लेकर हो रहे संवाद को लिखिए। 5

सुरेश : नमस्कार

अमृता : नमस्ते

अमृता : आप कैसे हैं?

सुरेश : मैं बहुत अच्छा हूँ धन्यवाद, और आप?

अमृता : मैं ठीक हूँ। क्या हो रहा है आजकल?

सुरेश : आजकल मैं डाक टिकिट इकट्ठा कर रहा हूँ।

अमृता : टिकिट संग्रह करने के क्या फायदे हैं?

सुरेश : ये मेरा शौक़ है।

अमृता : बढ़िया है। क्या तुम इसे अलबम में चिपकाओगे?

सुरेश : हाँ, मैंने टिकिट के लिए अलग से अलबम बनाया है।

अमृता : फिर तो तुम्हारे पास सभी देशों का टिकिट होंगे।?

सुरेश : हाँ।

अमृता : क्या मैं देख सकती हूँ।

सुरेश : क्यों नहीं? मैं कल लेकर आऊँगा।

अमृता : धन्यवाद।

प्र. 14. सोन पापड़ी का विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए : 5

सुहानी सोन पापड़ी

जब मीठे की सताए याद

सुहानी सोन पापड़ी की जागे चाह